प्रकाशकीय निवेदन

षट्खण्डागम धवला ग्रन्थके वेदनाखण्ड नामक चतुर्थ खण्डमें अर्थात् नौवीं पुस्तकमें **कृतिअनुयोगद्वारकी प्ररूपणा** की गई है।

इस ग्रन्थका पूर्व-प्रकाशन श्रीमन्त सेठ सिताबराय लक्ष्मीचन्द्र जैन साहित्योद्धारक सिद्धान्त ग्रन्थमाला, विदिशा द्वारा हुआ है। उसे मूल ताडपत्र ग्रन्थसे मिलानकर उसकी तृतीय आवृत्ति प्रकाशनाधिकार-प्राप्त जीवराज जैन ग्रन्थमाला, सोलापुर द्वारा प्रकाशित करनेमें हम अपना सौभाग्य समझते हैं।

स्व. पं. ब्र. रतनचन्दजी मुख्तार (सहारनपुर) तथा **पं. जवाहरलालजी सिद्धान्तशास्त्री** (भिण्डर) इनके द्वारा भेजे गये संशोधनका भी संशोधन-कार्यमें हमें सहयोग मिला, जिसके लिये हम उन सज्जनोके आभारी हैं।

इस तृतीय आवृत्तिमें **मुनिश्री १०८ सुकुमालनंदी महाराजजी** का भी सहयोग मिला है। इस ग्रन्थका प्रूफ-संशोधनकार्य **श्री. धन्यकुमार जैनी** द्वारा सम्पन्न हुआ है। इस ग्रन्थका अक्षर-विन्यास श्री. राहुल मोहनलाल शहा, सोलापुर और मुद्रण-कार्य राजयोग ऑफसेट, सोलापुर इनके द्वारा सम्पन्न हुआ है। हम इनके भी आभार प्रदर्शित करते हैं।

– **रतनचंद सखाराम शहा**

मंत्री